रावतभाटा बिजलीघर की उत्पादन क्षमता

509. **श्री ओंकार सिंह लखावतः** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान के रावतभाटा बिजलीघर की वार्षिक विद्युत उत्पादन क्षमता क्या है तथा वास्तविक विद्युत उत्पादन कितना है और विद्युत उत्पादन में प्रति यूनिट कितनी लागत आती है; और

(ख) सरकार देश में कहां-कहां नये परमाणु बिजलीघर बनाने के सम्बन्ध में विचार कर रही है?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वसुन्धरा राजे): (क) रावतभाटा में स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस) के यूनिट 1, तथा 2 जोकि भारत में सबसे पुराने दाबित भारी पानी रिएक्टर यूनिट हैं, की केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा यथा अनुमोदित वर्तमान उत्पादन क्षमता क्रमशः 100 मेगावाट तथा 200 मेगावाट है। यह क्षमता, संयंत्र के 62.8 प्रतिशत भार गुणक (पी एल एफ) की स्थिति में, राजस्थान परमाणु बिजलीघर के पहले तथा दूसरे यूनिट की वार्षिक उत्पादन क्षमता जोकि क्रमशः लगभग 550 मिलियन यूनिट तथा 1100 मिलियन यूनिट है, के अनुरूप है। तथापि, ग्रिड की आवृत्तियों में स्वीकार्य सीमा से अधिक घट-बढ़ होने और अप्रत्याशित शट-डाइन जैसी समस्याओं का सामना करने की वजह से, वास्तविक उत्पादन भिन्न हो सकता है। इस प्रकार, राजस्थान परमाणु बिजलीघर के पहले यूनिट का वर्ष 1997-98 के दौरान वास्तविक विद्युत उत्पादन 480 मिलियन यूनिट और अप्रेल-सितम्बर, 1998 की अवधि के दौरान 270 मिलियन यूनिट था। राजस्थान परमाणु बिजलीघर के दूसरे यूनिट के मामले में, अप्रेल-सितम्बर, 1998 की अवधि के दौरान उत्पादन 310 मिलियन यूनिट था।

राजस्थान परमाणु बिजलीघर के पहले यूनिट की यूनिट उत्पादन लागत (शुल्क) 206.24 पैसे प्रति किलोवाट घंटा (केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को प्रस्तावित अनुसार) और राजस्थान परमाणु बिजलीघर के दूसरे यूनिट के संबंध में यह 209.33 पैसे प्रति किलोवाट घंटा है।

(ख) (i) कर्नाटक में कैगा नामक स्थान पर 220 मेगावाट की क्षमता वाले दो यूनिटों के एक नए परमाणु बिजलीघर का निर्माण-कार्य पूरा होने वाला है। नवीं योजना के दौरान कैगा में 220 मेगावाट की क्षमता वाले दो और यूनिटो को शामिल किया गया है जिनपर काम शुरू किया जाना है।

(ii) रावतभाटा में राजस्थान परमाणु बिजलीघर में 220 मेगावाट की क्षमता वाले दो और यूनिट भी पूरे होने वाले हैं।

(iii) मौजूदा तारापुर परमाणु बिजलीघर के निकट महाराष्ट्र में तारापुर में 500 मेगावाट की क्षमता वाले दो यूनिटों के लिए संस्वीकृति दी गई है और निर्माण-कार्य हाल ही में शुरू किया गया है।

(iv) तमिलनाडु में कुडानकुलम में 1000 मेगावाट की क्षमता वाले 2 यूनिटों के लिए एक ब्यौरेवार परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के वास्ते न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और रूसी परिसंघ के संगठन (संगठनों) के बीच एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(v) नवीं योजना के दौरान, कलपाक्कम (तमिलनाडु) में मद्रास बिजलीघर के निकट 500 मेगावाट की क्षमता के एक प्रोटोटाइप फास्ट रिएक्टर को शुरू किए जाने के लिए शामिल किया गया है।

Production and Sale of ECIL

510. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that production and net sales of Electronics Corporation of India Ltd., has fallen short of the targets during 1995-96, 1996-97 and 1997-98;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) what steps have been taken by the Government to increase the production and net sales?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) and (b) the product portfolio and the core competencies acquired by ECIL over the years have been essentiall

towards serving the needs of three key sectors, namely, Defence, Telecommunications and Nuclear Power. The Ministry of Defence (MOD) and Department of Telecommunication (DOT) also have their public sector undertakings (PSUs) and ECIL has to depend on its share of the Defence & DOT business. The volume of supplies for nuclear power stations has declined since ECIL's business in this area consists mainly of supplying control & instrumentation equipment for the new power plants of the Nuclear Power Corporation India Ltd. (NPCIL) and no new nuclear power station was taken up by the NPCIL during the VIII Plan period. The cumulative effect of these factors was that ECIL's turnover did not show a significant growth in 1995-96 and thereafter, and it could earn profits only in 1995-96 and 1996-97.

(c) In spite of the odds faced by it the Company is making all efforts to increase its order book and execution during 1998-99 and expects to be able to obtain the necessary orders to meet the current year's sales target. Dialogues have been started at high levels with the MOD & DOT to ensure a fair share of business from these sectors. Efforts are also underway to improve the availability of working capital and ensure utilisation of Government budgetary support to fund capital investments which are expected to lead to better margins in future.

Achievements of N.F.C.

511. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Nuclear Fuel Complex (NFC), Hyderabad has not been able to achieve the production targets during 1996-97 and 1997-98;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) what steps have been taken by Government to achieve the targets?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) and (b) The production targets of Nuclear Fuel Complex (NFC) for fuel etc. needed for the Pressurised Heavy Water Reactors (PHWR) and the Boiling Water Reactors (BWR) are fixed in accordance with the projections made by the Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL). These targets are at times modified during the year after reviewing the situation. The actual requirement of NPCIL for fuel has been fully met by NFC upto 1997-98 though the targets *per se* for some individual items have not been achieved. The reasons for the shortfall were mainly the break-down of the sintering furnace and some problems relating to recovery.

(c) The reasons for the shortfall in production have been fully analysed and corrective action has been taken for improving the sinterability of uranium oxide powder and repairing the sintering furnace.

Serving of Beef in IGAEC Hostel at Kalpakkam

512. SHRI SANJAY NIRUPAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that beef is served at the hostel of Indira Gandhi Atomic Energy Centre at Kalpakkam in Tamil Nadu regularly;

(b) if so, the details of complaints received in this regard and what action has been taken against the persons responsible for this irreligious act; and

(c) the steps taken to ensure that such practice is not repeated any where in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHARA RAJE): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.